

000000

744

18
11

Handwritten signature





22 MAY 2006
12-1 (188)

स्वामित्व एवं अधिपत्य आदि से निकालकर क्रेता के अधिकार,
स्वामित्व एवं अधिपत्य आदि में देकर उनको व्यक्तिगत स्वामी एवं
वास्तविक अधिकारी बना दिया। अब प्रथम पक्ष विक्रेतागण का कोई
अधिकार या स्वत्व विक्रित भूमि से सम्बन्धित भविष्य के लिये शेष
नहीं रहा और न होगा। वास्तविक परिवर्तन कार्यान्वित हुआ। यह

प्राप्त	नरेश सिंह	
प्राप्त	अरवि	
पिलान कर्मा मुख कर्मा		पिलान कर्मा मुख कर्मा
सेवा		

[illegible]

वि
है।
क्रेता
वास्तवि
क्रेता उ
१०-१
१०
१०



विक्रय पूर्णतया उचित वैधानिक एवं मान्य है तथा प्रयोग होने योग्य है। कच्चा विक्रित भूमि का स्थल पर कतई खाली का द्वितीय पक्ष क्रेता को प्रदान कर दिया है तथा क्रेता ने विक्रित भूमि का वास्तविक एवं भौतिक अधिपत्य स्थल पर प्राप्त कर लिया है। क्रेता उपरोक्त भूमि को अपनी इच्छानुसार प्रयोग में ला सकेगा।

दिनांक

क्रेता

क्रयक

10

क्रयक

क्रयक

क्रयक

क्रयक

क्रयक

क्रयक

क्रयक

मिलान क्रेता

पुष्टि क्रेता

क्रयक

क्रयक

818

7 25845 5000
... म प्रो. व वि.
...
...
... (1976)





LL-MNF-2006
पृष्ठ 1/1

किसी को कोई आपत्ति न होगी। क्रेता अपना नाम राजस्व
अभिलेखों में बतौर स्वामी अंकित कराने के पूर्ण अधिकारी रहेंगे
यदि इस दस्त प्रथम पक्ष विक्रेतागण की सहमति एवं राजामन्दी प्रस्तुत
करने की आवश्यकता होगी तो उसको प्रथम पक्ष विक्रेतागण
समयानुसार पूर्ण रूप से पाबन्द रहेंगे। कोई आपत्ति न होगी। यदि

प्राप्त



प्राप्त



प्राप्त



प्राप्त



प्राप्त



प्राप्त



प्राप्त

प्राप्त

प्राप्त

प्राप्त

प्राप्त

प्राप्त

8 25-06 1990
6 25-06 1990
6 25-06 1990
6 25-06 1990





आज की तिथि से पूर्व का कोई ड्यूज या लगान विक्रित भूमि पर
बकाया पाया जायेगा तो उसको चुकता करने का भार हम
विक्रेतागण के जिम्मे होगा और आज की तिथि के बाद समस्त
ड्यूज एवं लगान को स्वयं क्रेता वहन करेंगे। कोई आपत्ति न
होगी। यदि अब अथवा भविष्य में विक्रित भूमि अथवा उसका कोई

मिलान करेंगे-
पुष्टि करेंगे-
[Signatures and stamps]

182

9 25-500 1000
6 25-500 1000
1000 1000 1000

